शन्तिच यं यत्ताः पुरुषम्· — *Caus.* आवेशयामि intrare facio. Bh. 8. 10.

c. आ praef. अनु intrare. Mah. 1. 5389.: ह्रीश्च क्रोधश्च बीभत्सुम्… अन्वाविवेश·

c. आ praef. उप *id.* R. Schl. II. 85. 15. Mah. 1. 5389.

c. आ praef. सम् *id.* N. 21. 30. Su. 4. 15. — *Caus.* समावेशयामि intrare facio, impono, trado. Mah. 3. 9913.: पौत्रे भारं समावेश्य·

c. उप considere, sedem capere, *c. loc.* N. 21. 30.: रथोपस्थ उपाविशत्; Sa. 5. 62.: भूमाव् उपविवेश· — उपविष्ट qui consedit, sedens. N. 12. 27.: शयानम् उपविष्टं वा स्थितं वा· — *Caus.* facere ut considat. In. 2. 20.

c. उप praef. उप (उपोपविश्) 1) considere apud alqm. Mah. 3. 11777.: तम् आसीनम्… उपोपविविशुर् यत्ताः; R. Schl. I. 4. 26.: उपोपविष्टः सचिवैः· 2) considere. उपोपविष्ट qui consedit, sedens. Mah. 1. 6959.: उपोपविष्टा मञ्चेषु·

c. उप praef. प्रति exadversus alqm considere. Mah. 2. 1156.

c. उप praef. सम् considere. Mah. 1. 6970.

c. नि *A. interdum P.* 1) intrare. Mah. 1. 7566. 2) considere, castra ponere. Man. 7. 188. Mah. 1. 6960. 3. 661. 3) uxorem ducere. Mah. 1. 1852.: निवेक्ष्ये ऽशंसयं सनाम्नीं यद्य् अहङ् कन्याम् उपलप्स्ये कदाचन; 1860.: निविशस्व· 4) adniti, operam dare, studere. Man. 2. 8.: स्वधर्मे निविशेत· — निविष्ट intentus, studiosus. Mah. 1. 171. — *Caus.* 1) निवेशयामि facio ut intret, indroduco. R. Schl. II. 42. 28. Dr. 3. 6. 2) considere facio. Ragh. 5. 42. 3) morari, habitare facio. Mah. 1. 4424.: न्यवेशयत ताम् भार्याङ् कुन्तीं स्वभवने प्रभुः· 4) pono, impono, adjungo, annecto, illigo. Sa. 5. 105.: वामे स्कन्धे … भर्तुर् बाहुन् निवेश्य; Su. 3. 14.: रत्नानि तस्या गात्रे न्यवेशयत्; M. 39.: पाशन् तस्मिन् शृङ्गे न्यवेशयत्· 5) facio ut uxorem ducat. Mah. 1. 7138.

c. नि praef. वि *Caus.* facere ut considat, ponere, imponere. Gita-G. 12. 5.

c. नि praef. सम् considere. सन्निविष्ट qui consedit, sedens. Bh. 15. 15.: सर्वस्यचा 'हं हृदि सन्निविष्टः· *Caus.* 1) facere ut considat, castra ponat. Mah. 3. 665. 2) ponere, locare. Ragh. 12. 58.: हत्वा बलिनं वीरस् तत्पदे … सुग्रीवं सन्न्यवेशयत्; Man. 1. 16.

c. निस् frui, vesci, edere, bibere. Ragh. 9. 35.: निर्विविशुर् मधु (schol. पपुः); 4. 51.: निर्विश्य … स्तनाव् इव दिशस् तस्याः शैलौ मलयदर्दुरौ·

c. परि *Caus.* ministrare *alicui cibos.* Mah. 1. 7182.: ताश्चै 'व वृत्तम् परिवेश्य तांश्च नरप्रवीरान् स्वयम् अप्य् अभुङ्क्त; 3. 8619. (Vid. विष् praef. परि·)

c. प्र intrare. N. 14. 3. 21. 2. — *Caus.* facere ut intret. Mah. 1. 4427. Ponere *c. loc.* Man. 8. 38.: अर्द्धङ् कोषे प्रवेशयेत्· — *Desid.* intrare cupere. Mah. 3. 10836.: प्रविविक्षतो ऽस्य शैलान् इमान्·

c. प्र praef. अनु intrare. Mah. 1. 795. 7762. 3. 12178. Coire *cum feminâ, c. acc.* Mah. 1. 4275.: कौशल्ये देवरस् ते ऽस्ति सो ऽद्य त्वा 'नुप्रवेक्ष्यति·

c. प्र praef. सम् intrare. Mah. 1. 3303. Coire *cum feminâ.* Mah. 1. 3024.: भार्याम् पतिः सम्प्रविश्य·

c. सम् 1) intrare. Mah. 1. 6741. Coire *cum feminâ.* Man. 3. 48.: संविशेद् आर्तवे स्त्रियम्· 2) appropinquare. Mah. 3. 14505.: गन्धर्वाश्चा 'पि यन् दिव्याः संविशन्ति नरम् भुवि· 3) decumbere. Mah. 3. 13149.: पुष्करिणीतीरे संविवेश ततः शयानो मधुरङ् गीतम् अशृणोत्· 4) concumbere *viro, c.* सह. Mah. 1. 4712.: वरारोहे … संविशेथा मया सह· — *Caus.* facere ut decumbat. Mah. 1. 4274.

c. सम् praef. अनु post aliquem decumbere. Ragh. 2. 24.: सुप्ताम् अनुसंविवेश सुप्तोत्थिताम् प्रातर् अनूदतिष्ठत्·

2. विश् *m.* (Nom. विट्, r. विश्) *Visus* i. e. vir tertii vel agricolarum et mercatorum ordinis. *In dialecto Vêd.* Pl. विशस् *f.* homines *in universum.* विश्पति hominum dominus, rex. (Vid. Rosenii Rigvedae Specimen p. 10. et 11., Lassen. Anthol. p. 143. et cf. lith. *wiěsz-patis* «ein hoher Herr, ein Landesherr», *wiěsz-patenė* «eine hohe